संस्कृत-सूक्तिसार

संस्कृतं भारतस्य आधारः अस्ति।

Dr.Upendar Dubey

संस्कृत भारतीय संस्कृति की आत्मा है।

सरस्वती स्तुति

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला, या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा, या श्वेतपद्मासना॥
या ब्रह्माच्युतशंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा पूजिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा॥

सूक्ति: सा विद्या या विमुक्तये।
अर्थ: विद्या वही जो बंधनों से मुक्ति दिलाए।

संस्कृत की सूक्तियाँ हमें विद्या के महत्व और गुणों के बारे में बताती हैं। ये सूक्तियाँ हमें जीवन में सफलता पाने का मार्गदर्शन करती हैं और समाज तथा राष्ट्र के विकास के लिए विद्या के महत्व को समझने में मदद करती हैं। हमें विद्या को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

सूक्ति: भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा।

अर्थ: भारत की दो प्रतिष्ठाएँ हैं - संस्कृत और संस्कृति। संस्कृति का मूल संस्कृतभाषा है।
संस्कृत भाषा ही भारतीय संस्कृति का आदिस्रोत है, जिसमें भारत के सांस्कृतिक विचार, उच्चादर्श और नैतिक मूल्य समाहित हैं।

खण्ड **1:** धर्म**,** सत्य और नैतिकता
(Dharma, Truth, and Morality)

क्र.	संस्कृत सूक्ति	हिन्दी अर्थ	**English Meaning**
1.	सत्यं वद धर्मं चर।	तुम हमेशा सत्य बोलो, हमेशा धर्म के अनुसार ही आचरण करो।	Always speak the truth and always behave according to Dharma.
2.	नहि सत्यात् परं धनम्।	सर्वप्रथम धन सत्य ही है, सत्य से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं है।	The first wealth is truth; there is nothing better than truth.
3.	न हि सत्यात् परो धर्मः।	सत्य से बढ़कर कोई धर्म नहीं है।	There is no religion greater than truth.
4.	सत्यमेव जयते नानृतम्।	सत्य की ही जीत होती है, झूठ की नहीं।	Only truth wins, not lies.
5.	सर्वं सत्ये प्रतिष्ठितम्।	सब कुछ सत्य पर आधारित है।	Everything is based on truth.
6.	शरीरमाध्यमं खलु धर्मसाधनम्।	शरीर निश्चित रूप से धर्म (कर्तव्य) को सिद्ध करने का साधन है।	The body is the means of religion (Dharma).
7.	अहिंसा परमो धर्मः।	अहिंसा सबसे श्रेष्ठ धर्म है।	Non-violence is the best religion.
8.	धर्मो रक्षति रक्षितः।	धर्म उनकी रक्षा करता है जो उसकी रक्षा करते हैं।	Religion protects those who protect it.
9.	जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसि।	माता और जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं।	Mother and motherland are greater than heaven.
10.	परोपकाराय सतां विभूतयः।	सज्जनों की संपत्ति परोपकार के लिए है।	The property of gentlemen is for charity.

11.	परोपकारार्थमिदं शरीरम्।	यह शरीर दूसरे के उपकार के लिए है।	This body is for the benefit of others.
12.	परोपकारः पुण्याय पापाय परपीड़नम्।	परोपकार पुण्य तथा दूसरों को पीड़ा पहुँचाना पाप देने वाला होता है।	Giving charity attains virtue and harassing others attains sin.
13.	जपतो नास्ति पातकम्।	जप करते हुए को पाप नहीं लगता।	One does not feel sin while chanting.
14.	तस्करस्य कुतो धर्मः।	चोर का धर्म क्या?	What is the religion of a thief?
15.	नास्तिको धर्मनिन्दकः।	धर्म की निंदा करने वाला नास्तिक होता है।	One who criticizes religion is an atheist.

खण्ड **2:** ज्ञान, विद्या और गुण
(Knowledge, Education, and Qualities)

क्र.	संस्कृत सूक्ति	हिन्दी अर्थ	**English Meaning**
16.	विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।	विद्या रूपी धन सभी धनों में श्रेष्ठ धन है।	Knowledge is the best wealth among all wealth.
17.	विद्याविहीनः पशुः।	विद्या से विहीन व्यक्ति पशु ही होता है।	A person devoid of education is an animal.
18.	न च विद्यासमो बन्धुः।	विद्या के समान कोई बन्धु (मित्र) नहीं।	Not a friend like Vidya.
19.	ज्ञानं भारः क्रियां विना।	क्रिया (आचरण) के बिना ज्ञान भारस्वरूप होता है।	Knowledge without action is a burden.
20.	न च ज्ञानात् परं चक्षुः।	ज्ञान से बढ़कर कोई नेत्र नहीं है।	There is no eye greater than knowledge.
21.	न ज्ञानेन विना मोक्षम्।	ज्ञान के बिना मोक्ष (मुक्ति) नहीं।	There is no salvation without knowledge.
22.	न हि ज्ञानेन सद्रशं पवित्रमिह वर्तते।	इस संसार में ज्ञान से बढ़कर पवित्र कुछ भी नहीं है।	There is nothing more sacred than knowledge.
23.	अर्द्धो घटो घोषमुपैति नूनम्।	आधा भरा घड़ा निश्चय ही आवाज़ करता है (छलकता है)।	The half pot certainly makes noise.
24.	अज्ञता कस्य नामेह नोपहासायजायते।	मुर्खता पर किसे हंसी नहीं आती।	Who doesn't laugh at stupidity?

25.	बुद्धिर्यस्य बलं तस्य, निर्बुद्धेस्तु कुतो बलम्।	जिसके पास बुद्धि है, उसी के पास शक्ति है; जिसके पास बुद्धि नहीं है, उसके पास शक्ति कहाँ?	He who has wisdom has power; he who does not have wisdom has no power.
26.	अभ्याससारिणी विद्या।	विद्या अभ्यास से आती है।	Knowledge comes from practice.
27.	अनभ्यासे विषं शास्त्रम्।	अभ्यास न करने पर शास्त्र (ज्ञान) विष के तुल्य हैं।	If not practiced, the scriptures are equivalent to poison.
28.	अविद्याजीवनं शून्यम्।	बिना विद्या के जीवन शून्य है।	Life without knowledge is void.
29.	गुणाः सर्वत्र पूज्यन्ते।	गुणों की सभी जगह पूजा होती है।	Qualities are worshipped everywhere.
30.	गुणा गुणज्ञेषु गुणा भवन्ति।	गुणों को जानने वालों के लिए ही गुण-गुण होते हैं।	Qualities are qualities only for those who know them.
31.	गुणाः पूजास्थानं गुणिषु न च लिङ्गं न च वयः।	गुणियों में गुण ही पूजा का कारण है न कि लिंग या आयु।	Qualities are the reason for worship and not gender or age.
32.	अक्षरशून्यो हि अन्धो भवति।	निरक्षर (मूर्ख) अँधा होता है।	An illiterate (fool) is blind.
33.	पात्रत्वात् धनमाप्नोति।	योग्यता से ही धन की प्राप्ति होती है।	Wealth is obtained only through merit.
34.	सर्वे गुणाः कांचनमाश्रयन्ति।	सारे गुण धन को आश्रित करके ही होते हैं।	All the qualities are achieved only by depending upon money.
35.	गतेऽपि वयसे ग्राहा विद्या सर्वात्मना बुधैः।	बूढ़ा हो जाने पर भी विद्वान को हर तरह से विद्या उपार्जन करते रहना चाहिए।	Even after growing old, Vidya should continue to acquire knowledge in every possible way.

खण्ड **3:** कर्म, परिश्रम और समय
(Action, Effort, and Time)

क्र.	संस्कृत सूक्ति	हिन्दी अर्थ	**English Meaning**
36.	उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।	कार्य परिश्रम करने से ही सिद्ध होते हैं, केवल इच्छाओं से नहीं।	Tasks are accomplished only by doing work, not by mere desire.

37.	आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।	शरीर में स्थित आलस्य ही मनुष्यों का सबसे बड़ा शत्रु है।	The laziness present in the body is the biggest enemy of humans.
38.	श्वः कार्यमद्य कुर्वीत पूर्वाह्णे चापराह्णिकम्।	कल के कार्य को आज करे तथा शाम के कार्य को सुबह करें।	Do tomorrow's work today and do evening's work in the morning.
39.	मनस्वी कार्यार्थी न गणयति दुःखं न च सुखम्।	मनस्वी और जो अपना काम साधना चाहते हैं, वे दुःख-सुख को कुछ नहीं गिनते।	The intelligent people do not consider happiness and sorrow.
40.	निश्चितार्थाद् विरमन्ति धीराः।	धैर्यशील व्यक्ति अपने निश्चित प्रयोजन से दूर नहीं होते।	Patient people do not move away from their purpose.
41.	नहि दुष्करमस्तीहं किञ्चिदध्यवसायिनाम्।	प्रयत्न करने वाले के लिए कोई बात दुष्कर नहीं है।	Nothing is difficult for one who tries.
42.	कर्मणो गहना गतिः।	काम (कर्म) की गति कठिन (गूढ़) है।	The pace of work is difficult.
43.	कालस्य कुटिला गतिः।	काल (समय) की गति टेढ़ी होती है।	The speed of time is slow/crooked.
44.	कालो न यातो वयमेव याताः।	समय नहीं बीता, हम ही बीत गए।	Time has not passed, we have passed.
45.	तृष्णा न जीर्णा वयमेव जीर्णाः।	तृष्णा (लालसा) बूढी नहीं होती, हम ही बूढ़े होते हैं।	Desire does not grow old, it is we who grow old.
46.	कोऽतिभारः समर्थानाम्।	समर्थ जनों के लिए क्या अधिक भार है।	What is the burden for the capable people?
47.	भवितव्यता बलवती।	होनहार बलवान है।	The promising are strong.
48.	चक्रवत् परिवर्तन्ते दुःखानि च सुखानि च।	सुख और दुःख चक्र के समान परिवर्तनशील हैं।	Happiness and sorrow are as changeable as the wheel.

खण्ड **4:** संवाद और व्यवहार
(Communication and Conduct)

क्र.	संस्कृत सूक्ति	हिन्दी अर्थ	**English Meaning**

49.	हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।	हितकारी (लाभदायक) और मनोहारी (आकर्षक) वचन काफी दुर्लभ हैं।	Beneficial and beautiful words are quite rare.
50.	सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात्, न ब्रूयात् सत्यमप्रियम्।	सत्य बोलना चाहिए, प्रिय बोलना चाहिए। कभी भी अप्रिय सत्य नहीं बोलना चाहिए।	One should speak the truth, one should speak pleasant things. One should never speak unpleasant truth.
51.	तस्मात् प्रियं हि वक्तव्यं वचने का दरिद्रता।	हमेशा प्रिय ही बोलना चाहिए, बोलने में किस बात की गरीबी।	One should always speak only what is sweet; why is there any need to be poor in speaking?
52.	वाग्भूषणं भूषणम्।	वाणी का आभूषण ही सबसे श्रेष्ठ आभूषण है।	The ornament of speech is the best ornament.
53.	विभूषणं मौनम् अपण्डितानाम्।	मूर्खों की चुप्पी उनके लिए आभूषण हैं।	The silence of fools is an ornament for them.
54.	मूर्खो हि शोभते तावद् यावत् किञ्चिन्न भाषते।	मूर्ख तभी तक सुशोभित होता है, जब तक कि वह कुछ नहीं बोलता।	A fool remains respectable only as long as he does not say anything.
55.	अर्द्धो घटो घोषमुपैति नूनम्।	घड़ा आधा भरा हो तो अवश्य छलकता है।	If the pot is half full then it will definitely spill.
56.	मद्यपाः किं न जल्पन्ति।	शराबी क्या नहीं बकते (बकवास करते)।	What do drunkards not say?

खण्ड **5:** समाज**,** मित्र और परिवार
(Society, Friends, and Family)

क्र.	संस्कृत सूक्ति	हिन्दी अर्थ	**English Meaning**
57.	उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।	उदार चरित्र वाले लोग सम्पूर्ण पृथ्वी को अपने परिवार के समान मानते हैं।	People with generous character consider the entire earth as their family.
58.	आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत्।	जो अपने प्रतिकूल हो, वैसा आचरण दूसरों के प्रति न करें।	Do not behave towards others in a way that is unfavorable to yourself.
59.	व्यवहारेण मित्राणि जायन्ते रिपवस्तथा।	व्यवहार से ही मित्र और शत्रु बनते हैं।	Friends and enemies are made by behavior.
60.	संसर्गजाः दोषगुणाः भवन्ति।	संसर्ग (संगति) से ही दोष और गुण उत्पन्न होते हैं।	Faults and virtues arise from contact only.

61.	सत्संगतिः हि कथय किं न करोति पुंसाम्।	कहो, सत्संगति (अच्छी संगति) से मनुष्यों का क्या काम नहीं हो सकता।	What work cannot be done by human beings by following good company?
62.	मित्रेण कलहं कृत्वा न कदापि सुखी जनः।	मित्र के साथ कलह करके कोई व्यक्ति कभी भी सुखी नहीं हो सकता।	A person can never be happy by quarreling with his friends.
63.	यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः।	जहाँ नारियों की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं।	Where women are worshipped, gods reside there.
64.	स्त्रियां रोचमानायां सर्वं तद् रोचते कुलम्।	स्त्री की सुन्दरता ही परिवार की सुन्दरता है।	The beauty of a woman is the beauty of the family.
65.	कुपुत्रो जायेत क्वचिदपि कुमाता न भवति।	कुपुत्र (बुरा पुत्र) हो सकता है, लेकिन कुमाता (बुरी माता) कहीं पर भी नहीं होती।	A son may be bad, but a mother is never bad.
66.	भार्यामित्रं गृहेषु च।	घर में मित्र पत्नी (भार्या) होती है।	There is a friend and wife in the house.
67.	कष्टादपि कष्टतरं परगृहवासः परान्नं च।	कष्ट से भी बड़ा कष्ट दुसरे के घर में निवास करना एवं दूसरे का अन्न खाना है।	The bigger trouble is living in someone else's house and eating someone else's food.
68.	महाजनो येन गतः स पन्थाः।	महान लोगों द्वारा अपनाया गया मार्ग ही अच्छा मार्ग है।	The path taken by great people is the good path.

खण्ड **6:** व्यक्तिगत गुण और दोष
(Personal Virtues and Vices)

क्र.	संस्कृत सूक्ति	हिन्दी अर्थ	**English Meaning**
69.	संतोषः परं सुखम्।	सबसे श्रेष्ठ सुख संतोष ही है।	The best happiness is satisfaction happiness.
70.	क्रोधो हि शत्रुः प्रथमो नराणाम्।	मनुष्यों का प्रथम शत्रु क्रोध ही है।	The first enemy of humans is anger.
71.	क्रोधः पापस्य कारणम्।	क्रोध पाप का कारण होता है।	Anger is the cause of sin.
72.	न स क्रोधसमो रिपुः।	क्रोध के समान कोई शत्रु नहीं है।	There is no enemy like anger.

73.	क्षमा तुल्यं तपो नास्ति।	क्षमा के बराबर कोई तप (तपस्या) नहीं है।	Penance is not equal to forgiveness.
74.	न च धर्मो दयापरः।	दया से बढ़कर धर्म नहीं।	There is no religion greater than kindness.
75.	लुब्धस्य प्रणश्यति यशः।	लोभी की कीर्ति नष्ट हो जाती है।	The reputation of a greedy person gets destroyed.
76.	पुण्यैः यशो लभते।	पुण्यों से ही यश की प्राप्ति होती है।	Fame is achieved only through good deeds.
77.	कीर्तिः यस्य सः जीवति।	जिसके पास प्रसिद्धि है, वह जीवित रहता है।	He who has fame lives.
78.	त्याक्तलज्जः सुखी भवेत्।	लज्जा से दूर रहने वाला व्यक्ति हमेशा सुखी रहता है।	A person who stays away from shyness is always happy.
79.	संपत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता।	महान लोग समृद्धि और विपत्ति दोनों में एक समान बने रहते हैं।	Great people remain the same in both prosperity and adversity.
80.	दरिद्रता धीरतया विराजते।	दरिद्रता धीरता से शोभित होती है।	Poverty is adorned with patience.
81.	क्षीणा नरा निष्करुणा भवन्ति।	कमजोर व्यक्ति ही दयाहीन होते हैं।	Only weak people are cruel.
82.	दुर्बलस्य बलं राजा।	दुर्बल का बल राजा होता है।	The strength of the weak is the king.
83.	कोयलं शतधौतेन मलिनत्वं न मुञ्चति।	कोयला सैंकड़ों बार धोने पर भी मलिनता नहीं छोड़ता।	Coal does not leave dirt even after washing hundreds of times.
84.	अङ्गीकृतं सुकृतिनः परिपालयन्ति।	पुण्यात्मा जिस बात को स्वीकार करते है, उसे निभाते हैं।	Whatever the virtuous soul accepts, it follows it.

खण्ड **7:** विविध और जीवन के सत्य
(Miscellaneous and Facts of Life)

क्र.	संस्कृत सूक्ति	हिन्दी अर्थ	**English Meaning**
85.	साहित्य- सङ्गीत- कलाविहीनः साक्षात् पशुः पुच्छविषाणहीनः।	साहित्य, संगीत और कला से रहित व्यक्ति, पूंछ और सींगो से हीन साक्षात पशु होता है।	A person devoid of literature, music and art is like an animal without tail and horns.

86.	अमृतमेव गवां क्षीरम्।	गायों का दूध अमृत के समान है।	Cow's milk is like nectar.
87.	पयः पानं भुजङ्गानां केवलं विषवर्धनम्।	साँपों को दूध पिलाना, केवल उनका ज़हर ही बढ़ाता है।	Feeding milk to snakes only increases their poison.
88.	मधुरापि हि मूर्छयते विषवृक्षसमाश्रिता वल्ली।	विष के पेड़ पर चढ़ी लता भी मूर्छित करने वाली हो जाती है।	The vine climbing on a poisonous tree also causes unconsciousness.
89.	न रत्नमन्विष्यति मृगयते हि तत्।	एक रत्न खोजता नहीं है, बल्कि उसे खोजा जाता है।	A gem is not sought. It is found.
90.	प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता।	प्रिय व्यक्ति को सुंदर लगना सौभाग्य का फल है।	Finding your loved one beautiful is a result of good fortune.
91.	पुराणमित्येव न साधु सर्वम्।	कोई बात पुरानी मात्र होने से पूरी तरह सही नहीं होती।	Something doesn't become right just because it is old.
92.	रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवाय।	रिक्त (खाली) व्यक्ति लघु होता है, पूर्णता गौरव के लिए होती है।	An empty person is small, completeness is for pride.
93.	बहुरत्ना वसुन्धरा।	यह पृथ्वी अनेक रत्नों से युक्त है।	This earth is rich in many gems.
94.	भुजङ्ग एव जानाति भुजङ्ग चरणौ सखे।	सांप के पाँव को सांप ही जानता है।	Only a snake knows the snake's feet.
95.	जातस्य हि ध्रुवो मृत्युः।	जो पैदा हुआ है अवश्य मरेगा।	Whoever is born will definitely die.
96.	जीवो जीवस्य भोजनम्।	जीव, जीव का भोजन है।	Living beings are the food of living beings.
97.	दैवस्य विचित्रा गतिः।	भाग्य की गति विचित्र है।	The movement of fate is strange.
98.	नीचैर्गच्छतयुपरि च दशा चक्रनेमिक्रमेण।	मनुष्य के जीवन की दशा रथ के पहिये के समान कभी ऊँची कभी नीची होती रहती है।	The condition of human life goes up and down in the same way as the wheel of a chariot.
99.	कुर्वस्त्रता शुभ्रतया विराजते।	फटा वस्त्र उज्ज्वलता से सुंदर लगता है।	Torn clothes look beautiful with brightness.

100.	अर्द्धों घटो घोषमुपैति नूनम्।	घड़ा आधा भरा हो तो अवश्य छलकता है। (दोहराव)	The half pot makes noise.

खण्ड **8:** सशर्त और तुलनात्मक कथन
(Conditional and Comparative Statements)

क्र.	संस्कृत सूक्ति	हिन्दी अर्थ	**English Meaning**
101.	यद्यपि तथापि न जल्पन्ति। (सूक्ति में अर्थ के अनुसार लिया गया)	यद्यपि शराबी हैं, तथापि वे बकवास नहीं करते।	Although drunkards, still they do not babble.
102.	छिद्रेष्वनर्थाः बहुली भवन्ति।	कई आपदाएँ खाइयों (कमजोरियों) में होती हैं।	Many disasters happen in ditches/weaknesses.
103.	अजीर्णे हि अमृतं वारि, जीर्णे वारि बलप्रदम्।	अजीर्ण (अपच) में जल अमृत के समान होता है, और भोजन के पचने पर (पीने से) बल देता है।	In indigestion, water is like nectar and gives strength upon digestion.
104.	अल्पानामपि वस्तूनां संहतिः कार्यसाधिका।	छोटे लोगों का एकजुट होना भी काम साध लेता है।	Even small people can complete the work together.
105.	आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति सः पण्डितः।	जो अपनी तरह सब प्राणियों में देखता है, वही पंडित है।	The one who sees himself in all beings is a Pandita.
106.	एको हि दोषो गुणसन्निपाते निमज्जतीन्दोः किरणेष्विवाङ्कः।	गुणों के समूह में एक दोष उसी प्रकार छिप जाता है जैसे चन्द्रमा की किरणों में उसका कलंक।	A defect gets hidden in a set of qualities like a blemish in the rays of the moon.
107.	अविद्या जीवनं शून्यम्। (दोहराव)	बिना विद्या के जीवन शून्य है।	Life without knowledge is void.
108.	न सा सभा यत्र न सन्ति वृद्धाः।	वह सभा नहीं जहाँ वृद्धजन न हों।	Not a meeting where elders are not present.
109.	क्षारं पिबति पयोधेर्वर्षत्यम्भोधरो मधुरम्बुः।	बादल समुद्र का खारा पानी पीते हैं पर मीठा पानी बरसाते हैं।	Clouds drink salt water from the sea but rain sweet water.

खण्ड **9:** उपसंहार **(Conclusion)**
संस्कृत का पुनर्जागरण ही मानवता का उत्थान है। संस्कृत भारत भूमि की प्राणभूत व सारभूत भाषा है।
जयतु संस्कृतं जयतु भारतम् एक भारत, नेक भारत, अनेक परंपराएँ।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्॥